Literacy for a Billion

Movie: Mili
Year: 1975

Song: Maine Kaha Phoolon Se
Lyricist: Yogesh

मैंने कहा फूलों से

मैंने कहा फूलों से
हँसो तो वो खिलखिलाके
हँस दिए

और ये कहा जीवन है
भाई मेरे भाई
हँसने के लिए

हो ...
मैंने कहा फूलों से
हँसो तो वो खिलखिलाके
हँस दिए

और ये कहा जीवन है
भाई मेरे भाई
हँसने के लिए
हँसने के लिए

मैंने कहा फूलों से
हँसो तो वो खिलखिलाकर
हँस दिए

ये शाम तो
यूँ हँसे
जैसे हँसे दुल्हन

ये शाम तो
यूँ हँसे
जैसे हँसे दुल्हन

ये शाम तो
नीले नीले साँवले अंबर में
रंग जो गुलाबी
लगे भरने

मैंने कहा
ओ ...
मैंने कहा
रंगों से छलको तो
वो जग ये सारा रंग गए

और ये कहा जीवन है
भाई मेरे भाई
रंगने के लिए
रंगने के लिए

मैंने कहा फूलों से
हँसो तो वो खिलखिलाकर
हँस दिए

मौसम मिला
वो कहीं इक दिन
मुझको
मौसम मिला
वो कहीं इक दिन
मुझको

मौसम मिला रे
मैंने कहा रुको खेलो
मेरे संग तुम
मौसम भला
रुका जो वो
हो गया गुम

मैंने कहा
ओ ...
मैंने कहा
अपनों से
चलो तो वो
साथ मेरे चल दिए

और ये कहा जीवन है
भाई मेरे भाई
चलने के लिए
चलने के लिए

मैंने कहा फूलों से
हँसो तो वो खिलखिलाकर
हँस दिए

मैंने कहा फूलों से
हँसो तो वो खिलखिलाकर
हँस दिए

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.